



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 271]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 10, 1982/भाद्र 19, 1904

No. 271]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 10, 1982/BHADRA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1982

212/सीमा शुल्क

सां०कां०नि० 564 (अ). केन्द्रीय सरकार गीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 156 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

अध्याय 1

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा शुल्क अधिनियम, 1982 है।
- (2) ये उस तारीख को प्रवृत्त होंगे जिसे केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, नियत करे।

2. परिभाषाएँ :

- (1) इन नियमों, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—
- (क) "अधिनियम" से सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) अभिप्रेत है।
- (ख) "प्रारूप" से इन नियमों में उपाबद्ध प्रारूप अभिप्रेत है।
- (ग) "धारा" से उस अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

702 GJ/82—1

अध्याय 2

कलक्टर (अपील) को अपीलें

3. कलक्टर (अपील) को अपील का प्रारूप :

- (1) कलक्टर (अपील) को धारा 128 की उपधारा (1) के अधीन कोई अपील प्रारूप सं० सी० शु० अ० 1 में की जायेगी।
- (2) प्रारूप सं० सी० शु० अ० 1 में अंतर्विष्ट अपील के आधारों और सम्यपन के प्रारूप पर निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे।
- (क) किसी व्यक्ति की दशा में, स्वयं व्यक्ति द्वारा, जहाँ व्यक्ति भारत में अनुपस्थित है वहाँ संबंधित व्यक्ति द्वारा या उस निमित्त उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा, और जहाँ व्यक्ति अव्यक्त है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ उसके सरक्षक द्वारा या उसका और से कार्य करने के लिये सशम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा,
- (ख) किसी हिन्दू अविधवा कूटुम्ब की दशा में, कर्ता द्वारा और, जहाँ कर्ता भारत में अनुपस्थित है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ ऐसे कूटुम्ब के किसी अन्य व्यक्त सदस्य द्वारा,
- (ग) किसी कंपनी या स्थानीय प्राधिकरण की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा,
- (घ) किसी फर्म की दशा में, उसके किसी भागीदार द्वारा जो अव्यक्त नहीं है,
- (ङ) किसी अन्य संगम की दशा में संगम के सदस्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा, और

(J)

(ब) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिये सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा।

(3) प्ररूप सं० सी० शु० अ० 1 में अपील का प्ररूप दो प्रतियों में फाइल किया जायेगा और उसके साथ उस विनिश्चय या आदेश की एक प्रति लगाई जायेगी जिसके विरुद्ध अपील की गई है।

4. कलक्टर (अपील) को आवेदन का प्ररूप:

(1) धारा 129-ब की उपधारा (4) के अधीन कलक्टर (अपील) को कोई आवेदन प्ररूप सी० शु० अ० 2 में किया जायेगा।

(2) आवेदन का प्ररूप, प्ररूप सं० सी० शु० अ० 2 में दो प्रतियों में फाइल किया जायेगा और उसके साथ न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की दो प्रतियां (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा ऐसे प्राधिकारी को कलक्टर (अपील) को आवेदन करने के लिये निर्देश करने हुए पारित आदेश की एक प्रति लगाई जायेगी।

5. कलक्टर (अपील) के समक्ष प्रतिरिक्त साक्ष्य पेश करना:

(1) अपीलार्थी, कलक्टर (अपील) के समक्ष उस साक्ष्य से भिन्न जो उसने न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के समक्ष कार्यवाही के दौरान पेश किया है कोई साक्ष्य चाहे वह मौखिक हो या दस्तावेजी, निम्नलिखित परिस्थितियों के सिवाए, पेश करने का हक्का नहीं होगा, अर्थात्—

(क) जहां न्यायनिर्णायक प्राधिकारी ने ऐसे साक्ष्य को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया जाना चाहिये, या

(ख) जहां अपीलार्थी को उस साक्ष्य को जिसे पेश करने के लिये उस प्राधिकारी ने उससे अपेक्षा की थी, पेश करने से रोके जाने का पर्याप्त कारण है,

(ग) जहां अपीलार्थी को प्राधिकारी के समक्ष किसी साक्ष्य को जो अपील के किसी आधार से सुमंगल है पेश करने से पर्याप्त कारण से रोका गया था, या

(घ) जहां न्यायनिर्णायक प्राधिकारी ने, अपीलार्थी को, अपील के किसी आधार से सुमंगल साक्ष्य को पेश करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना, आदेश कर दिया है।

(2) उप-नियम (1) के अधीन कोई भी साक्ष्य तब तक स्वीकार नहीं किया जायेगा जब तक कि कलक्टर (अपील) स्वीकार किये जाने के कारणों को अधिनिश्चित न करे।

(3) कलक्टर (अपील) उप-नियम (1) के अधीन पेश किये गये किसी साक्ष्य को तब तक नहीं लेगा जब तक कि न्यायनिर्णायक प्राधिकारी या उक्त प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी को—

(क) साक्ष्य या दस्तावेजों की परीक्षा करने या अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य की प्रतिपरीक्षा करने, या

(ख) किसी साक्ष्य को प्रस्तुत करने अथवा उप-नियम (1) के अधीन अपीलार्थी द्वारा पेश किये गये साक्ष्य का खंडन करने के लिये कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने का कोई युक्तियुक्त अवसर न दिया गया हो।

(4) इस नियम में अंतर्निहित किसी बात से कलक्टर (अपील) को किसी दस्तावेज को पेश करने या किसी साक्ष्य की परीक्षा करने के लिये निर्देश देने की शक्तियों पर जिससे कि वह अपील का निपटारा कर सके प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अध्याय 3

अपील अधिकरण को अपीलों

6. अपील अधिकरण को अपीलों आदि का प्ररूप:

(1) धारा 129-क की उप-धारा (1) के अधीन अपील अधिकरण को कोई अपील प्ररूप सं० सी० शु० अ० 3 में की जायेगी।

(2) धारा 129-क की उप-धारा (4) के अधीन अपील अधिकरण को प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन प्ररूप सं० सी० शु० अ० 4 में किया जायेगा।

(3) जहां धारा 129-क की उपधारा (1) के अधीन कोई अपील, या उस धारा की उपधारा (4) के अधीन प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की जाती है/दिया जाता है का क्रमशः प्ररूप सं० सी० शु० अ० 3 और सी० शु० अ० 4 में यथाप्रतविष्ट अपील के आधार, प्रत्याक्षेपों के आधार और सत्यापन के प्ररूप पर नियम 3 के उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे।

(4) अपील का प्ररूप, प्ररूप सं० सी० शु० अ० 3 और प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्ररूप, प्ररूप सं० सी० शु० अ० 4 में चार प्रतियों में फाइल किया जायेगा और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, समान संख्या में प्रतियां लगाई जायेंगी (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी)।

7. अपील अधिकरण को आवेदन का प्ररूप:

(1) धारा 129-ब की उपधारा (4) के अधीन अपील अधिकरण को कोई आवेदन प्ररूप संख्या सी० शु० अ० 5 में किया जायेगा।

(2) आवेदन का प्ररूप, प्ररूप संख्या सी० शु० अ० 5 में चार प्रतियों में भरा जायेगा और उसके साथ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा पारित आदेश या विनिश्चय की प्रतियां बराबर की संख्या में (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और ऐसे कलक्टर को अपील अधिकरण को आवेदन करने के लिये निर्देशित करने हुए प्रशासक द्वारा पारित किये गये आदेश की प्रति लगाई जायेगी।

8. उच्च न्यायालय के निर्देश के लिए अपील अधिकरण को आवेदन का प्ररूप:

(1) धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन कोई आवेदन अपील अधिकरण से यह अपेक्षा करने हुए कि वह विधि के किसी प्रश्न का निर्देश उच्च न्यायालय को करे प्ररूप संख्या सी० शु० अ० 6 में किया जायेगा और ऐसा आवेदन तीन प्रतियों में फाइल किया जायेगा।

(2) धारा 130 की उपधारा (2) के अधीन अपील अधिकरण को प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन प्ररूप संख्या सी० शु० अ० 7 में किया जायेगा और ऐसा ज्ञापन तीन प्रतियों में फाइल किया जायेगा।

(3) जहां धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन कोई आवेदन या उक्त धारा की उपधारा (2) के अधीन प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तो क्रमशः प्ररूप संख्या सी० शु० अ० 6 और सी० शु० अ० 7 में यथाप्रतविष्ट आवेदन, प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन और सत्यापन के प्ररूप पर नियम 3 के उपनियम 2 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे।

अध्याय 4

प्राधिकृत प्रतिनिधि

9. प्राधिकृत प्रतिनिधियों के लिए अर्हताएं

धारा 146क के प्रयोजनों के लिये किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि में ऐसा व्यक्ति सम्मिलित होगा, जिसने निम्नलिखित अर्हताओं में से, जो कि उक्त धारा 146क की उपधारा (2) के खण्ड (घ) के अधीन विनिर्दिष्ट अर्हताएँ हैं, कोई अर्हता अर्जित कर ली है, अर्थात्—

- (क) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ के भीतर कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट या
- (ख) लागत और समय अकाउंटेंट अधिनियम, 1959 (1959 का 24) के अर्थ के भीतर कोई अमान मेखापाय, या
- (ग) कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) के अर्थ के भीतर कोई कंपनी सचिव, और जिसने उक्त अधिनियम की धारा 6 के अधीन व्यवसाय का प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है, या
- (घ) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर या स्नातक की उपाधि धारण करने वाला या व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि या डिप्लोमा धारण करने वाला कोई व्यक्ति,
- (ङ) कोई ऐसा व्यक्ति, जो सामाजिक या केन्द्रीय उद्योग श्रमिक या स्थापित विभागों में पद नियोजित था और जो उक्त विभागों में एक या एक से अधिक वर्षों के लिये नियुक्त हुआ था, जिसने उक्त विभागों में काम में काम के उच्च सेवा करने के पश्चात् एक नियोजन से सेवानिवृत्त हो गया था या जिसने पद त्याग दिया है।

स्पष्टीकरण—इस नियम में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से नीचे विनिर्दिष्ट विश्वविद्यालयों में से कोई विश्वविद्यालय अभिप्रेत है,

- (i) भारतीय विश्वविद्यालय तन्मय प्रवृत्त किमी विधि के अधीन निर्गमित कोई भारतीय विश्वविद्यालय;
- (ii) रगून विश्वविद्यालय;
- (iii) ब्रिटिश और अन्य विश्वविद्यालय वर्गमन्म, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डरहम, लीड्स, लिवरपूल, लण्डन, मैनचेस्टर, रीडिंग, शेफील्ड, और अन्य के विश्वविद्यालय;
- (iv) ग्लाटनैश के विश्वविद्यालय अक्स्टोन एंजिनियर्स, ग्लासगो और गेन एंजिनियर्स विश्वविद्यालय;
- (v) आयरलैंड के विश्वविद्यालय उब्रलिन, (ट्रिनिटी महा विद्यालय) के विश्वविद्यालय, क्वीन्स विश्वविद्यालय बेलफास्ट और डबलिन का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय;
- (vi) पाकिस्तान के विश्वविद्यालय तन्मय प्रवृत्त किमी विधि द्वारा निर्गमित कोई पाकिस्तानी विश्वविद्यालय;
- (vii) बंगला देश के विश्वविद्यालय : तन्मय प्रवृत्त किमी विधि द्वारा निर्गमित कोई बंगलादेश विश्वविद्यालय।

10 धारा 146 क (5) के अधीन विनिर्दिष्ट प्राधिकारी

सामाजिक कलक्टर, जिसकी अधिकारिता ऐसी कार्यवाहियों में है जिनमें ऐसा व्यक्ति, जो कोई विधि व्यवसायी नहीं है, अधिनियम के अधीन उक्त कार्यवाहियों के संबंध में अश्वार का दावा पाया गया है, धारा 146क की उपधारा (5) के खण्ड (ख) 3. प्रयोजनों के लिये प्राधिकारी होगा।

अध्याय 5

प्रकीर्ण

11. अपील अधिकरण की भाषा (1) अपील अधिकरण की भाषा अंग्रेजी होगी।

(2) उप-नियम (1) में अंतर्निहित बात के होने हुए भी अपील अधिकरण के समक्ष कार्यवाही के पक्षकार, यदि वे ऐसे भाषाओं में हिन्दी में लिखे गये दस्तावेज फाइल कर सकेंगे।

12. अपीलों आदि के फाइल करने के लिए प्रक्रिया

- (1) अपील प्रारूप संख्या सी० शु० अ० 3 में या प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन प्रारूप संख्या सी० शु० अ० 4 में अथवा सी० शु० अ० 7 में या आवेदन प्रारूप संख्या सी० शु० अ० 5 में अथवा सी० शु० अ० 6 में व्यक्तिगत रूप से रजिस्ट्रार या रजिस्टर द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी के पास उपस्थापित किया जायेगा या रजिस्ट्रार अथवा ऐसे अधिकारी को सम्बोधित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जायेगा।
- (2) उप-नियम (1) के अधीन कोई अपील या प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन या डाक द्वारा भेजा गया आवेदन रजिस्ट्रार या रजिस्ट्रार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को उस तारीख को, जिसके बहुर यथास्थिति रजिस्ट्रार के कार्यालय में या ऐसे अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त होता है, उपस्थापित किया गया समझा जायेगा।

13. अपीलों आदि के उपस्थापित करने की तारीख

नियम 12 के अधीन यथास्थिति रजिस्ट्रार या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी प्रत्येक अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन पर बहुर तारीख पृष्ठांकित करेगा, जिसका वह उस नियम के अधीन उपस्थापित किया जाता है या उपस्थापित किया गया समझा जाता है और पृष्ठांकन पर हस्ताक्षर करेगा।

14. किस व्यक्ति को प्रत्यर्षी के रूप में संयोजित किया जा सकेगा

- (1) सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की गई अपील में संबंधित कलक्टर को प्रत्यर्षी बनाया जायेगा।
- (2) सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा की गई अपील या किये गये आवेदन में दूसरे पक्षकार को यथास्थिति अपील या आवेदन में प्रत्यर्षी बनाया जायेगा।

15. प्राधिकृत प्रतिनिधियों को प्राधिकृत करने वाले दस्तावेज का अपील आदि से संलग्न किया जाना

विभागीय प्राधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा फाइल की गई किसी अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन में, प्रतिनिधि को हस्ताक्षर करने और उसकी ओर से उपसज्जत होने के लिये प्राधिकृत करने वाला दस्तावेज जहाँ वह उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित है, ऐसी अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन से संलग्न किया जायेगा।

16. दूसरे पक्षकार को प्रतिवां पृष्ठांकित करना

अपील अधिकरण अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन की एक प्रति जैसे वह फाइल की जाती है, दूसरे पक्षकार को भेजेगा।

17. रोक पिटीशन के फाइल करने और निपटाने के लिए प्रक्रिया

(1) (क) मागे गये किसी शुल्क या उद्गृहीत शास्ति का निक्षेप करने की ओक्षा के रोक के लिये अधिनियम के उपबंधों के अधीन किया गया प्रत्येक आवेदन अपीलार्थी द्वारा व्यक्तिगत रूप से या उसके सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा तीन प्रतियों में उपस्थापित किया जायेगा या रजिस्ट्रार को अथवा अपीलों का प्राप्त करने के लिये प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जायेगा।

(ख) ऐसे आवेदन में से प्रत्येक को एक प्रति की आवेदक द्वारा कलक्टर के प्राधिकृत प्रतिनिधि पर साथ-साथ तारीख की जायेगी।

(2) रोक के लिये प्रत्येक आवेदन कागज के एक तरफ स्वच्छ टाइट किया जायेगा और अंग्रेजी में होगा और नियम 11 के उप-नियम (2) के उपबंध ऐसे आवेदन को लागू होंगे।

(3) रोक के लिये आवेदन में मसिबत रूप में निम्नलिखित का कथन किया जायेगा :—

(क) उम शुक या शास्त्रि की मांग की बाबत तथ्य जिसके निक्षेप के बारे में यह कहा गया है कि वह रोक/रोकी जाये;

(ख) शुक या शास्त्रि की ठीक ठीक रकम और उसमें की निरविवाद रकम और बकाया रकम;

(ग) अधिकरण के समक्ष अपील फाइल करने की तारीख और उसकी सख्या यदि जान हो;

(घ) क्या रोक के लिये आवेदन अधिनियम के अधीन किसी प्राधिकारी के समक्ष किया गया था या किसी निम्नलिखित न्यायालय के समक्ष और यदि ऐसा है तो उसका परिणाम (पत्राचार, यदि कोई हों, की प्रतियाँ ऐसे प्राधिकार के साथ संलग्न की जायेगी)।

(ङ) रोक चाहने के लिये संक्षेप में कारण;

(च) क्या आवेदक प्रतिभूति की प्रस्थापना करने के लिये तैयार है और यदि ऐसा है तो किस रूप में;

(छ) प्राधान्यों का स्पष्टतः और संक्षेप में उल्लेख किया जाये (उम निश्चित रकम का कथन किया जाये जिसके बारे में कहा गया है कि वह रोक/रोकी जाये)।

(4) आवेदन की अन्तर्वस्तुओं का अपीलार्थी द्वारा या उसके मन्वक रूप से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सापेक्ष लेकर समर्थन किया जायेगा।

(5) रोक के लिये प्रत्येक आवेदन के साथ संबंधित विभाग के प्राधिकारियों के सुसंगत आदेशों की तीन प्रतियाँ होगी जिनके अंतर्गत वे अपील आवेदन, यदि कोई हो, जिनके विरुद्ध अपीलार्थी द्वारा अपील अधिकरण को अपील फाइल की गई है और अन्य वस्तुएँ, यदि कोई हों, भी है।

तथापि यह कि अपील अधिकरण अपने विवेक में और आवेदक के अनुरोध पर ऐसे आवेदनों की प्रतियाँ फाइल करने की अपेक्षाओं में तूट दे सकेगा।

(6) कोई आवेदन, जो उक्त अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है, मक्षेपत नमंजूर किया जा सकेगा।

प्रारूप संख्या सी०शु०अ० (1)

[नियम 3 देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 128 के अधीन कलक्टर (अपील) को अपील का प्रारूप

अपीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

वर्ग

1. सख्या

2. अपीलार्थी का नाम और पता-----

3. उस अधिकारी का पदाभिधान और पता जिसने वह विनिश्चय या आदेश पारित किया है जिसके विरुद्ध अपील की गई है और विनिश्चय या आदेश की तारीख।

4. अपीलार्थी को उम विनिश्चय या आदेश था, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचित करने की तारीख।

5. पता जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएँ भेजी जा सकेंगी।

6. क्या भारत का निक्षेप कर दिया गया है, यदि नहीं तो क्या ऐसे निक्षेप से अभियुक्त कर दिये जान के लिये आवेदन किया गया है।

7. अपील में दावा की की गई राहत।

तथ्या का कथन

अपील के आधार

प्राधिकृत प्रतिनिधि यदि कोई है, के हस्ताक्षर अपीलार्थी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मे..... अपीलार्थी यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर जो कथित है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख को सत्यापित किया गया।

स्थान

तारीख

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण: (1) अपील के आधार और सत्यापन प्रारूप पर सीमाशुल्क (अपील) नियम, 1982 के नियम 3 के उपबन्धों के अनुसार अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे।

(2) अपील का प्रारूप, जिसके अन्तगत तथ्यों का कथन और अपील के आधार भी है, दो प्रतियों में फाइल किया जायेगा और उमक साथ उम आदेश का विनिरूपण की जिसके विरुद्ध अपील की गई है एक प्रति भी लगाई जायेगी।

प्रारूप संख्या सीमा शुल्क अ० 2

(नियम 4 देखें)

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129घ (4) के अधीन कलक्टर (अपील) को आवेदन का प्रारूप।

तारीख को अपील सख्या.....

आवेदक

बनाम

प्रत्यर्थी

1. आवेदक का पदाभिधान और पता (यदि आवेदक न्यायनिर्णायक प्राधिकारी नहीं है तो केन्द्रीय उत्पादशुल्क सीमाशुल्क कलक्टर से आवेदन करने के लिए प्राधिकरण का एक प्रति मसलन करे।

2. प्रत्यर्थी का नाम और पता

3. उम अधिकारी का पदाभिधान और पता जिसने वह विनिश्चय या आदेश पारित किया है जिसके संबंध में यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनिश्चय या आदेश की तारीख

4. वह तारीख जिसको सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 129घ की उपधारा (2) के अधीन सीमाशुल्क कलक्टर ने आदेश पारित किया है।

5. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को उपयुक्त 4 में विशिष्ट आदेश संसूचित करने की तारीख।

6. आवेदन में दावा की गई राहतें।

तथ्यों का कथन
आवेदन के आधार

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण आवेदन का प्रश्न, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन आवेदन के आधार भी है दो प्रतियां में फाईल किया जाएगा और उसके साथ न्यायनिर्णायक प्राधिकारों द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश का दो प्रतियां (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और अधिनियम की धारा 129क का उपधारा (2) के अधीन सीमा शुल्क कलक्टर के आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी।

प्रारूप सं० सी० शु० अ० 3

[नियम 6 (1) देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129क (1) के अधीन अपील अधिकरण को अपील का प्रारूप।

सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में वर्ष-----की अपील संख्या-----

अपीलार्थी
बनाम
प्रत्यर्थी

1. उक्त प्राधिकारों का परामर्शान और पता जिसमें यह आदेश पारित किया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।
2. उस आदेश की संख्या और तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गई है।
3. उक्त आदेश का समुचित किए जाने की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गई है।
1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और वह कलक्टर, जिसमें आदेश पारित किया गया था/शास्ति का विनिश्चय किया गया था/जुमाने किया गया था।
5. न्यायनिर्णायक प्राधिकारों का पदामिश्रान और पता उक्त मामलों में, जिनमें वह आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, कलक्टर (अपील) का आदेश है।
6. पता, जिस पर अपीलार्थी का सूचना भेजी जा सकेगी।
7. पता, जिस पर प्रत्यर्थी का सूचना भेजी जा सकेगी।
8. क्या उक्त विनिश्चय या आदेश में, जिसके विरुद्ध अपील की गई है कोई ऐसा प्रश्न अन्तर्बलित है, जिसका संबंध शुल्क की दर या निर्धारण के प्रयोजनार्थ माल के मूल्य से है, यदि नहीं तो यथार्थान्त अन्तर्बलित शुल्क या जुमाने की रकम या अन्तर्बलित शास्ति या अन्तर्बलित माल के मूल्य में अन्तर।
9. क्या शुल्क या शास्ति का निक्षेप कर दिया गया है, यदि नहीं तो क्या ऐसे निक्षेप में अतिमुक्त कर दिए जाने के लिए कोई आवेदन किया गया है (उक्त चालान की प्रति जिसके अधीन निक्षेप किया गया है लगाई जाएगी।)
10. अपील में दावा की गई राशियाँ

तथ्यों का कथन
अपील के आधार

1.
2.
3.
1.
उत्पाद

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि यदि कोई है, के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं,-----अपीलार्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख-----को सत्यापित किया गया

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. यदि अपील सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की गई है तो अपील के आधार और सत्यापन के प्रारूप पर सीमा शुल्क (अपील) नियम, 1982 के नियम 3 के उपबंधों के अनुसार अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।
2. अपील का प्रारूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन और अपील के आधार है, चार प्रतियां में फाईल किया जाएगा और उसके साथ उक्त आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, बराबर की संख्या में प्रतियां लगाई जाएंगी (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी)।
3. अपील का प्रारूप अंग्रेजी (या हिन्दी) में होना चाहिए और उसमें सक्षिप्त तथा सुविभिन्न शीर्षकों के अधीन अपील के आधार बिना किसी तर्क के या वर्णन के उपवर्णित होने चाहिए और ऐसे आधार क्रमशः संख्यांकित किए जाने चाहिए।
1. अधिनियम के उपबंधों के अधीन सदाय किए जाने के लिए अपेक्षित 200 रु० की फीस का संदाय अधिकरण की न्यायपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के पक्ष में उस स्थान पर, जहां न्यायपीठ स्थित है, अथवा स्थित राष्ट्रीयकृत बैंक की किसी शाखा पर निक्षेप एवं काम बैंक ड्राफ्ट की माफंग किया जाएगा और मागदेय ड्राफ्ट अपील के प्राप्ति के बाद सतत किया जाएगा।

प्रारूप संख्या सी० शु० अ० 4

[नियम 6(2) देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129क के अधीन अपील अधिकरण को दिए जाने वाले प्रस्तावों के जापन का प्रारूप।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में

वर्ष-----का प्रस्ताव सं०-----
वर्ष-----की/के अपील/आवेदन संख्या-----में
अपीलार्थी/आवेदक
बनाम
प्रत्यर्थी

1. राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और वह कलक्टर, जिसमें आदेश/निर्धारण का विनिश्चय/शास्ति/जुमाना किया गया था।
2. यथार्थान्त अपीलार्थी या सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर द्वारा अपील अधिकरण की फाईल की गई अपील या आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।
3. पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी।
4. पता जिस पर अपीलार्थी/आवेदक का सूचना भेजी जा सकेगी।
5. क्या उक्त विनिश्चय या आदेश में, जिसके विरुद्ध अपील की गई है कोई ऐसा प्रश्न अन्तर्बलित है, जिसका संबंध शुल्क की दर

या निर्धारण के प्रयोजनार्थ माल के मूल्य से है, यदि नहीं, तो यथास्थिति अन्तर्वर्तित शुल्क या जुर्माने की रकम, या अन्तर्वर्तित शास्ति या अन्तर्वर्तित माल के मूल्य में अंतर ।

6. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन में दावा की गई राहमें ।

प्रत्यक्षेपों के आधार

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

प्रत्यक्षी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं, -----प्रत्यक्षी यह घोषणा करता हूँ कि जा ऊपर कथित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है ।

आज तारीख-----दिन-----वर्ष-----को स्थापित किया गया ।

प्रत्यक्षी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण .

1. यदि ज्ञापन सीमाशुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा फाइल किया गया है तो प्रत्याक्षेपों के आधार और सत्यापन के प्ररूप पर, सीमाशुल्क अपील नियम, 1982 के नियम के उपबंधों के अनुसार प्रत्यक्षी द्वारा हस्ताक्षरित किए जाएंगे ।
2. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्ररूप चार प्रतियां में फाइल किया जाएगा ।
3. प्रत्याक्षेपों का प्ररूप अंग्रेजी (या हिन्दी में) होगा और उसमें सक्षिप्ततः तथा सुनिश्चित शीर्षकों के अधीन प्रत्याक्षेपों के आधार बिना किसी तर्क या वर्णन के उपवर्णित होंगे और ऐसे आधारों को क्रमशः संख्यांकित किया जाएगा ।
4. अपील/आवेदन की वह संख्या और वर्ष जो अपील अधिकरण द्वारा आवंटित है और प्रत्यक्षी की प्राप्त अपील/आवेदन की सूचना में वर्णित हों प्रत्यक्षी द्वारा फाइल किए जाएंगे ।

प्ररूप संख्या सं० शु० अ० 5

(नियम 7 देखें)

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129B (4) के अधीन अपील अधिकरण को आवेदन का प्ररूप ।

सीमाशुल्क, केंद्रीय उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में वर्ष-----की अपील संख्या-----

आवेदक

बनाम

प्रत्यक्षी

1. आवेदक का पदाभिधान और पता (यदि आवेदक न्यायनिर्णायक प्राधिकारी नहीं है तो सीमाशुल्क कलक्टर से, आवेदन करने के लिए प्राधिकरण की एक प्रति सफल करे) ।
2. प्रत्यक्षी का नाम और पता ।
3. उस अधिकारी का पदाभिधान और पता, जिसने यह विनिश्चय या आदेश पारित किया है, जिसका बावत यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनिश्चय या आदेश की तारीख ।
4. राज्य/राज्यक्षेत्र और कलक्टरों (जिनमें विनिश्चय/आदेश किया गया था) ।

5. तारीख, जिसको धारा 129B की उपधारा (1) के अधीन बोर्ड द्वारा आदेश पारित किया गया है ।

6. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को, उपर्युक्त 3 में निविष्ट आदेश संयुचित करने की तारीख ।

7. क्या उम विनिश्चय या उस आदेश में जिसके विरुद्ध अपील की गई है, निर्धारण के प्रयोजनार्थ सीमा शुल्क की दर या माल के मूल्य से सम्बन्धित प्रश्न अंतर्वर्तित है, यदि नहीं तो शुल्क या अंतर्वर्तित शुल्क या जुर्माने की राशि अथवा अंतर्वर्तित शास्ति या अंतर्वर्तित माल के मूल्य में अंतर ।

8. आवेदन में दावा की गई राहत ।

तथ्यों का कथन

आवेदन के आधार

- 1.
- 2.
- 3.

आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि

कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण - आवेदन का प्ररूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन और आवेदन के आधार भी है, चार प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ सीमा शुल्क कलक्टर के विनिश्चय या आदेशों की प्रतियां बराबर की संख्या में (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित होगी) और धारा 129B की उप-धारा (1) के अधीन बोर्ड द्वारा पारित आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी ।

प्ररूप सं० सं० शु० अ० 6

[नियम 8(1) देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130(1) के अधीन आवेदन का प्ररूप ।

सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में----- (अपीलार्थी का नाम) की अपील के मामले में वर्ष-----का निर्देश आवेदन संख्या-----

(कार्यालय द्वारा भरा जाए)

आवेदक

बनाम

प्रत्यक्षी

1. राज्य या संघ राज्यक्षेत्र और वह नमकदारी जहां से आवेदन फाइल किया गया है ।
2. अपील की संख्या जिसमें निर्देश उद्भूत होता है ।
3. पता जिस पर आवेदक का सूचनाएं भेजी जा सकेंगी ।
4. पता जिस पर प्रत्यक्षी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी ।
5. उपर्युक्त अपील का विनिश्चय अपील अधिकरण की न्यायपीठ द्वारा तारीख-----को किया गया था ।
6. सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129B के अधीन आदेश की सूचना की तारीख आवेदक पर-----को की गई थी ।
7. तथ्य, जो अपील अधिकरण द्वारा स्वीकार किए गए और/या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक है, सुन निर्देश के लिए सफलता से कथित है ।
8. अपील अधिकरण के आदेश से विधि के निम्नलिखित प्रश्न उद्भूत होते हैं ।

- 1
- 2
- 3
- 4

उत्पादि

9. अतः आवेदन सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130 की उप-धारा (1) के अधीन यह अपेक्षा करता है कि मामले का कथन बनाया जाए और पैरा 8 में निर्दिष्ट विधि के प्रश्नों को उच्च न्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए।

10. नीचे विनिर्दिष्ट रूप में वस्तावेजों और उनकी प्रतियों को (जहाँ वस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद आवश्यक है, संलग्न है)

मामले के कथन के साथ उच्च न्यायालय को अग्रपिप्त किया जाए।

आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

मत्यापन

मैं—~~आवेदक~~ घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख—~~को~~ मत्यापित किया गया।

आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण

1. यदि आवेदन सीमाशुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा किया गया है तो आवेदन और मत्यापन के प्ररूप पर सीमा शुल्क पर (अपील) नियम, 1982 के नियम 3 के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जाएंगे।

2. आवेदन तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा।

3. अधिनियम के उपबंधों के अधीन संशय किए जाने के लिए अपेक्षित 200 रु० की फीस का मदाय अधिकारण की स्थापना के सहायक रजिस्ट्रार के पक्ष में उस स्थान पर जहाँ न्यायपीठ स्थित है, अवस्थित राष्ट्रीयकृत बैंक की किसी शाखा पर लिखे गए आस बैंक ड्राफ्ट की माफत किया जाएगा और मांगदेय ड्राफ्ट आवेदन के प्ररूप के साथ संलग्न किया जाएगा।

प्ररूप सं० सीमा शुल्क अ० 7

[नियम 8(2) देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130(2) के अधीन उच्च न्यायालय को निर्देश के मामले में अपील अधिकरण को किए जाने वाले प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्ररूप

सीमा शुल्क, उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम अधिकरण में ~~वर्ष—का~~ प्रति-निर्देश आवेदन संख्या—
(कार्यालय द्वारा भरा जाएगा)

~~वर्ष—~~ के निर्देश आवेदन संख्या—~~से~~

—आवेदक

बनाम

—प्रत्यक्षी

1. राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और कलक्टर, जहाँ से प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन फाइल किया गया है

2. प्रत्यक्षी द्वारा अपील अधिकरण में फाइल किए गए आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।

3. पता जिस पर प्रार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

1. पता जिस पर आवेदक का सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

5. तथ्य, जो अपील अधिकरण द्वारा रवीकार कर गए और या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक है, मुख्य निर्देश के लिए समन्वयक में कथित है।

6. अपील अधिकरण के आदेश में विधि के निम्नलिखित प्रश्न उद्भूत होते हैं :-

1

2.

3.

4

7. अतः प्रत्यक्षी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130 की उप-धारा (1) के अधीन यह अपेक्षा करता है कि मामले का कथन बनाया जाए और उपर्युक्त पैरा 8 में निर्दिष्ट विधि के प्रश्नों को उच्च न्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए।

8. नीचे विनिर्दिष्ट रूप में वस्तावेजों और उनकी प्रतियों का, (जहाँ वस्तावेजों का अंग्रेजी अनुवाद आवश्यक है, संलग्न है) मामले के कथन के साथ उच्च न्यायालय को अग्रपिप्त किया जाए।

प्रत्यक्षी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है के हस्ताक्षर

मत्यापन

मैं—~~प्रत्यक्षी~~ यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।
आज तारीख—~~को~~ मत्यापित किया गया।

प्रत्यक्षी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पणी:

1. यदि ज्ञापन सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा फाइल किया गया है तो प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन और मत्यापन के प्ररूप पर सीमा शुल्क (अपील) नियम, 1982 के नियम 3 के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जायेंगे।

1. प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा

[फा० सं० 492/3/82-सी० शु० VI]

ए० सी० बक, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 10th September, 1982

NOTIFICATION

212/CUSTOMS

G.S.R. 564(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 156 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Customs (Appeals) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. Definitions : In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Customs Act, 1962 (52 of 1962),
- (b) "Form" means a form appended to these rules ;
- (c) "section" means a section of the Act.

CHAPTER II

APPEALS TO COLLECTOR (APPEALS)

3. Form of appeal to Collector (Appeals)—(1) An appeal under sub-section (1) of section 128 to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. C.A.-1.

(2) The grounds of appeal and the form of verification as contained Form No. C.A.-1 shall be signed :—

- (a) in the case of an individual by the individual himself or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf and where the individual is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf ;
- (b) in the case of a Hindu undivided family, by the Karta and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family ;
- (c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof ;
- (d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor ;
- (e) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof ; and
- (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.

(3) The form of appeal in Form No. C.A.-1 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

4. Form of application to the Collector (Appeals)—(1) An application under sub-section (4) of section 129-D to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. C.A.-2.

(2) The form of application in Form No. C.A.-2 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of

the order passed by the Collector of Customs directing such authority to apply to the Collector (Appeals).

5. Production of additional evidence before the Collector (Appeals)—(1) The appellant shall not be entitled to produce before the Collector (Appeals) any evidence, whether oral or documentary, other than the evidence produced by him during the course of proceedings before the adjudicating authority, except in the following circumstances, namely :—

- (a) where the adjudicating authority has refused to admit evidence which ought to have been admitted ; or

(b) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing the evidence which he was called upon to produce by that authority, or

(c) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing before the authority any evidence which is relevant to any ground of appeal ; or

(d) where the adjudicating authority has made the order appealed against without giving sufficient opportunity to the appellant to adduce evidence relevant to any ground of appeal.

(2) No evidence shall be admitted under sub-rule (1) unless the Collector (Appeals) records in writing the reasons for its admission.

(3) The Collector (Appeals) shall not take any evidence produced under sub-rule (1) unless the adjudicating authority or an officer authorised in this behalf by the said authority has been allowed a reasonable opportunity,—

(a) to examine the evidence or documents or to cross-examine any witness produced by the appellant ; or

(b) to produce any evidence or any witness in rebuttal of the evidence produced by the appellant under sub-rule (1).

(4) Nothing contained in this rule shall affect the powers of the Collector (Appeals) to direct the production of any witness, to enable him to dispose of the appeal.

CHAPTER III

APPEALS TO APPELLATE TRIBUNAL

6. Form of appeals, etc., to the Appellate Tribunal : (1) An appeal under sub-section (1) of section 129-A to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. C.A.-3.

(2) A memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal under sub-section (4) of section 129-A shall be made in Form No. C.A.-4.

(3) Where an appeal under sub-section (1) of section 129-A or a memorandum of cross-objections under sub-section (4) of that section is made by any person other than the Collector of Customs, the grounds of appeal, the grounds of cross-objections and the forms of verification as contained in Form Nos. CA-3 and CA-4, or as the case may be, respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 3.

(4) The form of appeal in Form No. CA-3 and the form of memorandum of cross-objections in Form No. CA-4 shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against one of which at least shall be a certified copy).

7. Form of application to the Appellate Tribunal : (1) An application under sub-section (4) of section 129-D to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. CA-5.

(2) The form of application in Form No. CA-5 shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order passed by the Collector of Customs (one of which at least shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Board directing such Collector to apply to the Appellate Tribunal.

8. Form of application to the Appellate Tribunal for reference to High Court.

(1) An application under sub-section (1) of section 130 requiring the Appellate Tribunal to refer to the High Court any question of law shall be made in Form No. CA-6 and such application shall be filed in triplicate.

(2) A memorandum of cross-objections under sub-section (2) of section 130 to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. CA-7 and such memorandum shall be filed in triplicate.

(3) Where an application under sub-section (1) of section 130 or a memorandum of cross-objections under sub-section (2) of that section is made by any person other than the Collector of Customs, the application, the memorandum and the forms of verification as contained in Form Nos. CA-6 and CA-7 respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 3.

CHAPTER IV

AUTHORISED REPRESENTATIVE

9. Qualifications for authorised representatives.—For the purposes of section 146A, an authorised representative shall include a person who has acquired any of the following qualifications, being the qualifications specified under clause (d) of sub-section (2) of the said section 146A, namely :—

- a Chartered Accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949), or
- a cost Accountant within the meaning of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959); or
- a Company Secretary within the meaning of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), who has obtained a certificate of practice under section 6 of that Act; or
- a post-graduate or an Honours degree holder in Commerce or a post-graduate degree or diploma holder in Business Administration from any recognised University; or
- a person formerly employed in the Departments of Customs or Central Excise or Narcotics and has retired or resigned from such employment after having rendered service in any capacity in one or more of the said Departments for not less than ten years in the aggregate.

Explanation :—In this rule, “recognised University” means any of the Universities specified below, namely :

- Indian Universities :—Any Indian University incorporated under any law for the time being in force in India;
 - Rangoon University.
 - English and Welsh Universities :—The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales;
 - Scottish Universities :—The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.
 - Irish Universities :—The Universities of Dublin (Trinity College), the Queen's University, Belfast and the National University of Dublin.
 - Pakistan Universities.—Any Pakistan University incorporated under any law for the time being in force.
 - Bangladesh Universities.—Any Bangladesh University incorporated under any law for the time being in force.
10. Authority under section 146A(5)(b).—The Collector of Customs having jurisdiction in the proceedings in which a person who is not a legal practitioner is found guilty of misconduct in connection with that proceeding under the Act shall be the authority for the purposes of clause (b) of sub-section (5) of section 146A.

CHAPTER V

MISCELLANEOUS

11. Language of the Appellate Tribunal:—(1) The language of the Appellate Tribunal shall be English.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the parties to a proceeding before the Appellate Tribunal may file documents drawn up in Hindi if they so desire.

702 GI/82—2

12. Procedure for filing appeals etc.—(1) An appeal in Form No. C. A.-3 or a memorandum of cross-objections in Form No. C. A.-4 or Form No. C. A.-7, or an application in Form No. C.A.-5 or Form No. C.A.-6 shall be presented in person to the Registrar or an officer authorised in this behalf by the Registrar, or sent by registered post addressed to the Registrar or such officer.

(2) An appeal or a memorandum of cross-objections or an application sent by post under sub-rule (1) shall be deemed to have been presented to the Registrar or to the officer authorised by the Registrar, on the date on which it is received in the office of the Registrar, or as the case may be in the office of such officer.

13. Date of presentation of appeals etc.—The Registrar or as the case may be, the officer authorised by him under rule 12 shall endorse on every appeal or memorandum of cross-objections or application the date on which it is presented or deemed to have been presented under that rule and shall sign and endorsement.

14. Who may be joined as respondents :—(1) In an appeal by a person other than the Collector of Customs, the Collector concerned shall be made the respondent to the appeal.

(2) In an appeal or an application by the Collector of Customs, the other party shall be made the respondent to the appeal or application, as the case may be.

15. Document authorising authorised representatives to be attached to the appeal etc :—In any appeal, or memorandum of cross-objections or application, filed by any person other than a departmental authority, where it is signed by his authorised representative the document authorising the representative to sign and appear for him shall be appended to such appeal or memorandum of cross-objections or application.

16. Endorsing copies to the other party :—The Appellate Tribunal shall send a copy of the appeal or memorandum of cross-objections or application to the other party as soon as it is filed.

17. Procedure for filing and disposal of stay petition :—

(1) (a) Every application preferred under the provisions of the Act for stay of the requirement of making deposit of any duty demanded or penalty levied shall be presented in triplicate by the appellant in person or by his duly authorised agent, or sent by registered post to the Registrar or any other officer authorised to receive appeals.

(b) One copy each of such application shall be served on the authorised representative of the Collector simultaneously by the applicant.

(2) Every application for stay shall be neatly typed on one side of the paper and shall be in English and the provisions of sub-rule (2) of rule 11 shall apply to such application.

(3) An application for stay shall set forth concisely the following :—

- the facts regarding the demand of duty or penalty, the deposit whereof is sought to be stayed;
- the exact amount of duty or penalty and the amount undisputed therefrom and the amount outstanding;
- the date of filing of the appeal before the Tribunal and its number, if known;
- whether the application for stay was made before any authority under the Act or any civil court and, if so, the result thereof (copies of the correspondence, if any, with such authorities to be attached);
- reasons in brief for seeking stay;
- whether the applicant is prepared to offer security and, if so, in what form;
- prayers to be mentioned clearly and concisely (state the exact amount sought to be stayed);

(4) The contents of the application shall be supported by an affidavit sworn to by the appellant or his duly authorised agent.

(5) Every application for stay shall be accompanied by three copies of the relevant orders of the authorities of the department concerned, including the appellate orders, if any, against which the appeal is filed to the Appellate Tribunal by the appellant and other documents, if any :

Provided, however, that the Appellate Tribunal may in its discretion and at the request of the applicant, dispense with the requirements of filing of the copies of such orders.

(6) Any application which does not conform to the above requirements is liable to be summarily rejected..

FORM NO. C.A. 1

(See rule 3)

FORM OF APPEAL TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 128 OF THE CUSTOMS ACT, 1962

1. No..... of..... 19.....
2. Name and address of the appellant.
3. Designation and address of the officer passing the decision or order appealed against and the date of the decision or order.
4. Date of communication of the decision or order appealed against to the appellant.
5. Address to which notices may be sent to the appellant.
6. Whether duty or penalty or both is deposited; if not, whether any application for dispensing with such deposit has been made. (A copy of the Challan under which the deposit is made shall be furnished).
7. Reliefs claimed in appeal.

Statement of facts
Grounds of appeal

(i)

(ii)

(iii)

etc.

Signature of authorised
representative, if any.

Signature of the
appellant.

VERIFICATION

I,the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the day of 19....

Place.....

Date.....

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
appellant.

NOTES :

1. The grounds of appeal and the form of verification shall be signed by the appellant in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The form of appeal, including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

FORM NO. C.A.-2

(See rule 4)

FORM OF APPLICATION TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 129D(4) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

Appeal No..... of..... 19.....

Applicant

Vs.

Respondent

1. Designation and address of the applicant (If the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Customs to make the application should be enclosed.)

2. Name and address of the Respondent.

3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.

4. Date on which the order under sub-section (2) of section 129D has been passed by the Collector of Customs.

5. Date of the communication of the order referred to in (4) above to the adjudicating authority.

6. Reliefs claimed in the application.

Statement of facts
Grounds of application

(i)

(ii)

(iii)

etc.

Signature of the
applicant.

NOTE.—The form of application, including the statement of facts and the grounds of application shall be filed on duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order of the Collector of Customs under sub-section (2) of section 129D of the Act.

FORM NO. C.A.-3

(See rule 6(1))

FORM OF APPEAL TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 129A(1) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.

Appeal No..... of.....

Applicant

Vs.

Respondent

1. The designation and address of the authority passing the order appealed against.

2. The number and date of the order appealed against.

3. Date of communication of the order appealed against.
4. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of assessment/penalty/fine was made.
5. Designation and address of the adjudicating authority in cases where the order appealed against is an order of the Collector (Appeals).
6. Address to which notices may be sent to the appellant.
7. Address to which notices may be sent to the respondent.
8. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty or to the value of goods for purposes of assessment, if not, the difference in duty involved or amount of fine or penalty involved or value of goods involved, as the case may be.
9. Whether duty or penalty is deposited; if not, whether any application for dispensing with such deposit has been made.
(A copy of the Challan under which the deposit is made shall be furnished).
10. Reliefs claimed in appeal.

Statement of facts

Grounds of appeal

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

etc.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

VERIFICATION

I,..... the appellant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the..... day of..... 19....

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

NOTES :

1. The grounds of appeal and the form of verification shall if the appeal is made by any person, other than the Collector of Customs, be signed by the appellant in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The form of appeal including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against (one of which at least shall be a certified copy).

3. The form of appeal should be in English (or Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.

4. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any Nationalised bank located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached to the form of appeal.

FORM NO. C.A.-4

{See rule 6(2)}

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS-OBJECTIONS TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION

129A(4) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal Cross-Objection No..... of 19.....
In Appeal/Application No..... of 19....

Appellant/Applicant.

Vs.

Respondent

1. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of assessment/Penalty/fine was made.

2. Date of receipt of notice of appeal or application filed with the Appellate Tribunal by the appellant or as the case may be, the Collector of Customs.

3. Address to which notices may be sent to the respondent.

4. Address to which notices may be sent to the appellant/applicant.

5. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of Customs or to the value of goods for purpose of assessment; if not, the difference in duty or duty involved, or amount of fine or penalty involved or the value of goods involved, as the case may be.

6. Reliefs claimed in the memorandum of cross-objections.

GROUND OF CROSS-OBJECTIONS

(1)

(2)

(3)

(4)

etc.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

VERIFICATION

I, the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified to-day the day of 19

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

NOTES:

1. The grounds of cross-objections and the form of verification shall, if the memorandum is filed by any person, other than the Collector of Customs, be signed by the respondent in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The form of memorandum of cross-objections shall be filed in quadruplicate.

3. The form of memorandum of cross-objections should be in English (or in Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads the grounds of cross-objections without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.

4. The number and year of appeal application as allotted by the office of the Appellate Tribunal and appearing in the notice of appeal application received by the respondent is to be filled in by the respondent.

FORM NO. C.A.-5

(See rule 7)

FORM OF APPLICATION TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 129D(4) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

Appeal No. of

Applicant
Vs.

Respondent

1. Designation and address of the applicant (if the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Customs to make the application should be enclosed).

2. Name and address of the respondent.

3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.

4. State/Union territory and the Collectorate in which the decision or order was made.

5. Date on which order under sub-section (1) of section 129D has been passed by the Board.

6. Date of the communication of the order referred to in (3) above, to the adjudicating authority.

7. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of customs or

to the value of goods for purposes of assessment; if not the difference in duty or duty involved, or amount of fine or penalty involved or value of goods involved.

8. Reliefs claimed in the application.

Statement of facts
Grounds of application

(i)

(ii)

(iii)

etc.

Signature of the applicant.

NOTE.—The form of application including the statement of facts and the grounds of application shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order of the Collector of Customs (one at least of which shall be a certified copy) and a copy of the order of the Board under sub-section (1) of section 129-D.

FORM NO. C.A.-6

[See rule 8(1)]

FORM OF APPLICATION TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 130(1) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

In the matter of Appeal No. (Name of the appellant) Reference Application No. of 19.... (to be filled in by the office)

Applicant

Vs.

Respondent

1. State or Union territory and the Collectorate from which the application is filed

2. Number of the appeal which gives rise to the reference

3. Address to which notices may be sent to the applicant.

4. Address to which notices may be sent to the respondent.

5. The appeal noted above was decided by the Bench of the Appellate Tribunal on

6. The notice of the order under section 129B of the Customs Act, 1962 was served on the applicant on

7. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference.

8. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal.

1.

2.

3.

etc.

9. That the applicant, therefore, requires under sub-section (1) of section 130 of the Customs Act, 1962 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred in paragraph 8 above be referred to the High Court.

10. The documents or copies thereof as specified below (the translation in English of the documents, where necessary, is annexed) be forwarded to the High Court with the statement of the case.

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
applicant.

VERIFICATION

I, _____ the applicant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the _____ day of _____ 19—

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
applicant.

NOTES :

1. The application and the form of verification shall, if the application is made by any person, other than the Collector of Customs, be signed by the applicant in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The application shall be filed in triplicate.

3. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any nationalised banks located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached to the form of application.

FORM NO. C.A.-7

[See rule 8(2)]

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS-OBJECTIONS TO THE APPELLATE TRIBUNAL IN THE MATTER OF REFERENCE TO THE HIGH COURT UNDER SECTION 130(2) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

Cross Reference Application No. _____ of _____ 19—
(to be filled in by the office) _____

In Reference Application No. _____ of _____ 19—

_____ Applicant

Vs.

_____ Respondent

1. State/Union territory and the Collectorate from which the memorandum of cross-objections is filed.
2. Date of receipt of notice of application filed with the Appellate Tribunal by the respondent.

3. Address to which notices may be sent to the respondent.

4. Address to which notices may be sent to the applicant

5. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference.

6. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal :

(1)

(2)

(3)

etc.

7. The respondent, therefore, requires under sub-section (1) of section 130 of the Customs Act, 1962 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred in paragraph 6 above be referred to the High Court.

8. That the documents or copies thereof as specified below (the translation in English of the documents, where necessary, is annexed) be forwarded to the High Court with the statement of the case.

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
respondent.

VERIFICATION

I, _____, the respondent do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the _____ day of _____ 19—

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
respondent.

NOTES :

1. The memorandum of cross-objections and the form of verification shall, if the memorandum is filed by any person, other than the Collector of Customs be signed in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The memorandum of cross-objections shall be filed in triplicate.

[F. No. 492/3/82-CUS. VI]

A. C. BUCK, Under Secy.

